Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

इन्दौर समाचार के पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

इन्दौर समाचार

वर्ष 86
अंक-24
इन्दौर, मंगलवार
14 अप्रैल 2026
पृष्ठ 12+8
मूल्य, 5 रुपए

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौत

मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर; वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार सुबह सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10 :45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था।

वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इनमें से 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। अन्य दो घायलों की हालत भी है।

ईरान की अमेरिका को धमकी

खाड़ी में हर बंदरगाह होगा हमारे निशाने पर

तेहरान (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में तनाव घटने का बजाय बढ़ते ही जा रहा है। वार-प्रतिवार जारी है। धमकी का जवाब चेतावनी से दी जा रही है। ताजा मामले में ईरान ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके बंदरगाहों पर कोई खतरा मंडराया तो इसके व्यापक क्षेत्रीय परिणाम होंगे। तेहरान की ओर से यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज की नाकाबंदी शुरू करने के ऐलान के कुछ घंटों बाद आई है। खतम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने मेहर समाचार एजेंसी को बताया कि क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरानी बंदरगाहों को निशाना बनाने वाले किसी भी कदम का असर पड़ोसी देशों पर भी पड़ेगा। प्रवक्ता ने आगे चेतावनी दी कि अगर ईरानी बंदरगाहों की सुरक्षा खतरे में पड़ी तो फारस की खाड़ी या ओमान की खाड़ी में कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा।

होर्मुज संकट के बीच तेहरान से आई खुशखबरी

7 साल बाद भारत पहुंचा ईरानी कच्चा तेल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर चल रही तनातनी के बीच ईरान से भारत के लिए बड़ी राहत आई है। करीब सात साल के बाद ईरान का कच्चा तेल फिर से भारत पहुंचा है।

शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, दो बड़े सुपरटैंकर भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट पर पहुंचे हैं, जो ईरानी कच्चा तेल लेकर आए हैं। जानकारी के मुताबिक 'फेलिसिटी' नाम का एक बहुत बड़ा क्रूड कैरियर, जिसे नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी ऑपरेट करती है, देर रात गुजरात के सिका तट के पास पहुंचा। इस टैंकर में करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल है, जिसे मार्च के बीच में खार्ग द्वीप से लोड किया गया था। वहीं दूसरा टैंकर 'जया' ओडिशा के पारादीप तट के पास पहुंचा है। उसमें भी लगभग इतनी ही मात्रा में कच्चा तेल है। इसे फरवरी के आखिर में खार्ग द्वीप से लोड किया गया था।

किसने खरीदी नई खेप ?

भारत पहुंचे इन कार्गो के खरीदारों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

पारादीप पोर्ट मुख्य रूप से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन चलाती है, जिसने पुष्टि की है कि उसने छूट के तहत कम से कम एक खेप खरीदी है। वहीं सिका क्षेत्र रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के लिए एक अहम क्रूड हैंडलिंग हब है, जहां इन कंपनियों का इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। बता दें कि करीब सात साल बाद भारत पहुंचे ये ईरानी तेल के पहले कार्गो हैं। इससे पहले अमेरिका ने पिछले महीने कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंधों में राहत दी थी। एक महीने की इस छूट के तहत समुद्र में पहले से मौजूद ईरानी तेल को बेचने की इजाजत दी गई थी।

खसरे का प्रकोप , अब तक 145 बच्चों की मौत

सिलहट (एजेंसी)। बंगलादेश में खसरे के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के भीतर ढाका और सिलहट में दो और बच्चों की मौत हो गई है, जिससे हताहतों की संख्या में और वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, 15 मार्च से अब तक खसरे जैसे लक्षणों के कारण कुल 145 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से 24 मौतों की पुष्टि आधिकारिक तौर पर खसरे से होने के रूप में हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भारी उछाल देखा गया है।खसरे के लक्षणों वाले 553 बच्चों को भर्ती किया गया, जिनमें से 80 मामलों की परीक्षण के जरिए पुष्टि हुई। सबसे अधिक प्रभाव ढाका डिवीजन में देखा गया।

CJI की पीठ ने वोटरों की स्थिति पर जताई एक बड़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (13 अप्रैल) को दो टूक कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों पर तब तक अदालत कोई दखल नहीं देगी, जब तक की हार-जीत का अंतर मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (SIR) के दौरान बाहर किए गए लोगों की संख्या से कम न हो। देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने इसके साथ ही यह भी कहा कि बंगाल के मतदाता दो संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। CJI सूर्यकांत के साथ पीठ में बैठे जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता अब अलग-अलग संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। जस्टिस बागची ने यह टिप्पणी तब की जब चुनाव आयोग ने दलील दी कि न्यायिक अधिकारियों ने तार्किक विसंगति के 47 फीसदी मामलों को खारिज कर दिया है; ये वे अधिकारी थे जिन्होंने चुनाव आयोग द्वारा जारी नोटिसों पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने यह टिप्पणी भी की कि चुनाव आयोग ने ही पश्चिम बंगाल में SIR के दौरान संदिग्ध मतदाताओं की एक 'तार्किक विसंगति' सूची बनाई थी।

ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

राजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे

सुरेंद्रनगर (एजेंसी)।

गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे

लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

फरार ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक श्रद्धालु ने बताया- राजकोट के दत्ता गांव से ठाकर के दर्शन करने के बाद हम लोग राजबाई मानी का झंडा फहराने के लिए विरामगाम जा रहे थे।

हिजबुल्लाह के 200 ठिकानों पर इजरायली हमला

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने पिछले 24 घंटों के भीतर लेबनान में हिजबुल्लाह के 200 से अधिक ठिकानों पर भीषण हमले किए हैं। सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए आईडीएफ ने एक वीडियो फुटेज भी जारी किया है, जिसमें जंगली इलाकों में स्थित कई इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों को मलबे में तब्दील होते दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में आईडीएफ ने बताया कि वायुसेना हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचों पर हमले जारी रखे हुए है और दक्षिण लेबनान में सक्रिय जमीनी सेना की सहायता कर रही है। इसके अतिरिक्त, इजरायली नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिशों को विफल करने के लिए हिजबुल्लाह के लॉन्चर्स को भी नष्ट किया जा रहा है।

कर्मचारियों का हिंसक प्रदर्शन, 10 गाड़ियों में आग-तोड़फोड़

दफ्तरों पर पत्थर फेंके, पुलिस से झड़प ; DGP बोले- एक्शन लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएडा में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रदर्शन सोमवार सुबह हिंसक हो गया। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए।

फेज-2 इलाके में कर्मचारी सड़क पर उतर आए और पथराव किया। कई गाड़ियों और बसों को आग लगा दी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उनकी गाड़ी पलट दी। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों को रोकने की कोशिश की तो उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। फेज-2 जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों में फैल गया। कर्मचारियों ने सेक्टर 1, 15, 62 और [illegible] फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी। सेक्टर- 40 और 60 में कर्मचारियों ने कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन पर पथराव कर दिया। सेक्टर-57 में फैक्ट्री में तोड़फोड़ की। हालात को काबू करने के लिए [illegible] को मौके पर उतार दिया गया है। कंपनियों के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। [illegible] राजीव कृष्ण और [illegible] (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रखते हुए हैं। डीजीपी ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर रहे हैं।

अब जानिए सबसे पहले कहां बिगड़े हालात

पुलिस के मुताबिक, नोएडा का फेज-2 इलाका इंडस्ट्रियल एरिया है। यहां मदरसन, ऋचा ग्लोबल, रेनबो, पैरामाउंट, एसएनडी और अनुभव कंपनियों के 1000 से ज्यादा कर्मचारी सैलरी बढ़ाने को लेकर पिछले 3 दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। करीब 500 कर्मचारी मदरसन कंपनी के बाहर जुटे थे। सबसे पहले यहीं हिंसा हुई।

विशेष संपादकीय

14 अप्रैल डॉ. अंबेडकर जयंती पर विशेष

अंधेरे में रोशनी की तलाश

वेदव्यास
(लेखक साहित्य मनीषी व वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत इस दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है इसीलिए यहां लोक की अपनी अलग कहानी है और तंत्र की अपनी कहानी है। यहां लोक ने परलोक के, ईमानदार ने भ्रष्टाचार के, पाप ने पुण्य के, भिखारी ने दाता बनने के, राजा ने भाग्यविधाता होने के, नर ने नारायण तक जाने के और नरक से स्वर्ग तक जाने के सारे रास्ते बना रखे हैं। यहां कोई किसी के भरोसे नहीं है। सभी अपने-अपने कर्म कर रहे हैं और अपने-अपने भाग्य की कमाई खा रहे हैं। सभी स्वतंत्र हैं और सभी गुलाम हैं। समय से पहले और भाग्य से अधिक यहां किसी को कुछ नहीं मिलता है। पूरा लोक ही भय, भाग्य और भगवान से संचालित है। हजारों साल से हम ही इस लोक के निर्माता हैं और हम ही इसके मुक्तिदाता हैं।

इस तरह यह भारतीय समाज भी हमारे भले-बुरे का प्रतिफल ही है। यह लोकतंत्र का ही सबसे बड़ा तिलिस्म है कि यहां हजारों साल की गुलामी, सैकड़ों साल के स्वतंत्रता संग्राम और लाखों समस्याएं देख-समझ कर भी लोक और तंत्र का शीतयुद्ध किसी एक लक्ष्य और संकल्प को तय नहीं कर पाया है। 1947 तक हमारा एक ही ध्येय वाक्य था कि आजादी हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे लेकिन आजादी के बाद जिस भारत के संविधान को लेकर हम राष्ट्र निर्माण की राह पर चल रहे हैं उसका कुल नतीजा यह मिला है कि विकास और परिवर्तन के नाम पर तो हमने बहुत कुछ पाया है किंतु राष्ट्र चरित्र के नाम पर हमने सब कुछ खो दिया हैं। इसे इतिहास-भूगोल, ज्ञान-विज्ञान, भक्ति -आध्यात्मिक और भूत भविष्य तो मिला है लेकिन इसके पास कोई वर्तमान नहीं है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने पहली बार 1948 में संविधान सभा के नेतृत्व में इस भारतीय लोकतंत्र की दशा, दिशा और संभावनाओं का परिसीमन स्थापित किया था और इस लोकतंत्र क ो गणतंत्र का नाम दिया था और सामाजिक-आर्थिक न्याय की सभी परिभाषाएं दी थीं। इस भारत को एक लोकतांत्रिक, समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष पहचान दी थी और बंकिमचंद्र चटर्जी के 'वंदेमातरम' राष्ट्रगीत से और रविंद्रनाथ टैगोर के 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे' के राष्ट्रगान से सुशोभित किया था।

(शेष पृष्ठ 9 पर)

ट्रंप का नया शर्मनाक कारनामा

खुद को दिखाया ईसा मसीह जैसा !

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शर्मनाक बयान में अमेरिका में जन्मे पोप लियो 14वें पर असाधारण रूप से निशाना साधते हुए रविवार रात कहा कि उन्हें नहीं लगता कि पोप ''बहुत अच्छा काम'' कर रहे हैं और ''वह बहुत उदारवादी व्यक्ति हैं'' तथा उन्हें ''कट्टर वामपंथियों को खुश करना बंद कर देना चाहिए।'' फ्लोरिडा से वाशिंगटन लौटते समय ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अमेरिकी मूल के पहले पोप-लियो की कड़ी आलोचना की और विमान से उतरने के बाद हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भी यह सिलसिला जारी रखा। उन्होंने कहा, ''मैं पोप लियो का प्रशंसक नहीं हूं।'' ट्रंप ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब लियो ने सप्ताहांत में संकेत दिया था कि ''सर्वशक्तिमान होने का भ्रम'' ईरान में अमेरिका-इजराइल युद्ध को हवा दे रहा है।